RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 46 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 20 अप्रैल 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

कोटगाड़ी की कृपा से सब उन्नत हैं

भीमसिंह वृजवाल-श्रीमती तुलसी देवी

पुंगराऊ घाटी में जब मन्दिर स्थापना हुई तभी से कार्की, पाठक, वृजवालों को इसका आंगन मिला है

थराली, नारायणबगड़ में दुकान थी, जसोदी सिंह जी गढ़वाल को काला ऊन और बागेश्वर को सफेद ऊन ले जाते थे

सन् 1955 में घोड़ों के साथ गरुड़ जाकर पहली बार देखी गाड़ी और बालक गिरीश तो चौकोड़ी में पहली बार गाड़ी देखकर डरकर भागने लगा था

हस्तशिल्प की माहिर तुलसी देवी के साथ जुटता था महिलाओं का हुजूम

कार्यालय प्रतिनिधि

पुंगराऊ घाटी 'पांखू' में न्याय की देवी कोटगाड़ी की मान्यता विश्वभर में है। कोकिला माता के नाम से भी इनके दरबार को जाना जाता है। कोटगाड़ी के इसी आंगन में कार्की, पाठक, वृजवालों का खाल (आंगन) है। आज के अंक में इस घाटी के वयोवृद्ध दम्पत्ति से विशेष भेंटवार्ता प्रस्तुत है। 92 वर्षीय भीम सिंह वृजवाल और 88 वर्षीय तुलसी देवी के साथ नई-पुरानी अनगिनत यादें जुड़ी हैं। और जिस प्रकार का जीवन इन्होंने देखा है वह पहाड़ की कठिन कही जाने वाली दिनचर्या के साथ अपनी संस्कृति की पूरी लहर सी है।

वृजवालों के परिवार अपने यात्रा प्रसंग में माइग्रेशन के दौरान पुंगपाऊ घाटी में आए और यहीं के होकर रह गये। इस घाटी के नौ गांवों में यह इसलिये फैले क्योंकि इनके साथ भेड़ बकरियां जानवरों के लिये काफी खुला स्थान चाहिए था।

अब तो कोटगाड़ी मन्दिर तक शानदार मोटर रोड है और ग्रामों में भी सम्पर्क मार्ग हो चुके हैं, उस दौर को याद कर सोच पड़ जाते हैं जब एकदम बीहड़ दुर्गम जगह रही होगी। भीमसिंह जी

शेष पृष्ठ 2 पर

भारत के मीलपत्थर

रैक्व ने कहा, वायु में ही समाया है सब कुछ

सूर्यकान्त बाली

छान्दोग्योपनिषद, यानी तीसरी सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपनिषद। और चूँकि ईशोपनिषद और बृहदारण्कोपनिषद स्वतन्त्र उपनिषदों के रूप में नहीं लिखी गई थीं, अपितु क्रमशः यजुर्वेद और शतपथब्राह्मण का ही वे दोनों आखिरी आखिरी अध्याय हैं जिन्हें बाद में स्वतन्त्र उपनिषदों का दर्जा दे दिया गया इसलिए चाहें तो उपनिषदों की परम्परा में छान्दोग्य को सबसे पुरानी अर्थात पहली उपनिषद माना जा सकता है। इस उपनिषद पर बाद में, अगली बार। इस बार संक्षेप में देश के उस फक्कड़ महाबुद्धिजीवी के बारे में जो हमेशा एक टूटी बैलगाड़ी के नीचे बैठा रहा करता था, हर वक्त अपनी पीठ खुजाता रहता। तो क्या कहता था वह वैसी हालत में? वही, चिन्तन कि दुनिया कैसे बनी, कहाँ से आई, कहाँ चली जाती है, अर्थात क्या है सृष्टि का मूल? छान्दोग्य के चौथे अध्याय के पहले तीन खण्डों में इसी महाबुद्धिजीवी रैक्व की थीम ही हमें पढ़ने को मिलती है।

पर क्यों बैठा रहता था वह एक छकड़े के नीचे जो जाहिर है कि पुराना और टूटा फूटा ही होता होगा? क्यों खुजाता रहता था वह अपनी पीठ? हर किसी को इन दोनों स्थितियों के बारे में अपने अपने अनुमान तलाशने की छूट है। पर कोई बुद्धिजीवी, बुद्धिजीवी ही क्यों, सामान्य व्यक्ति भी क्यों किसी नशे का या आदत का शिकार हो जाता है, इस बारे में कोई भी बात दावे से कहना आसान है क्या? हो सकता है कि रहने की एक निराली अदा का असर डालने की इच्छा से रैक्व ने किसी मकान या झोपड़ी को अपना आश्रय बनाने के बजाए एक टूटे छकड़े को ही अपना आवास बना लिया हो। फिर जब दुनिया के बारे में ही सोचना है और दुनिया से कोई लगाव नहीं है तो क्यों कोई बड़ा या छोटा मकान बनाना? कहीं भी रहा जा सकता है। टूटे छकड़े के नीचे भी रहा जा सकता है। कोई कमी तो होती नहीं ऐसे छकड़ों की। कभी भी कहीं भी कोई भी टूटा छकड़ा मिल सकता है, बस उसी के नीचे रह लिया जा सकता है। धूप से ही तो बचना है, बारिश से ही तो बचना है। और इसलिए वह महाबुद्धिजीवी रैक्व बस टूटे छकड़े के नीचे रह लिया करता होगा और इलाज करवा कर बीमारी को मिटाने के बजाए किसी पुरानी बीमारी के तहत पीठ खुजाना भी महज उसकी एक आदत बन गया हो।

पर सवाल है जिस रैक्व को घर बनाने की अन्तःप्रेरणा नहीं पैदा हुई, उसी फक्कड़ की रूचि एक राजकुमारी से शादी कर लेने में क्यों हो गई? इस सवाल का जवाब भी उतना ही मुश्किल है जितना इस सवाल का कि क्यों वह महापुरुष एक टूटे छकड़े के नीचे ही रहा करता था। पर एक राजकुमारी को जीवन संगिनी बनाने की रैक्व-कथा भी बड़ी मजेदार है जिसके लिए हम आपको छान्दोग्योपनिषद का एक छोटा सा हिस्सा पढ़ने का सुझाव देना चाहते हैं।

कथा का सम्बन्ध राजा जानश्रुति से है जो किसी जनश्रुति नामक राजा का पोता था। उसे शिकार का नहीं बड़े-बड़े आवसथ यानी विशाल कक्ष यानी हॉल बनवाने का शौक था। विशाल कक्ष क्यों? इसलिए कि सैकड़ों की तादाद में लोग वहाँ हाल कमरों में बैठ सकें और एक साथ भोजन कर सकें। तो उसे विशाल कक्ष बनवाने का शौक इसलिए था कि उसे लोगों की बड़ी तादाद में खाना खिलाने का शौक था। जाहिर है कि यह शौक पुण्य कमाने की इच्छा से बना होगा और छान्दोग्योपनिषद की रैक्व कथा मनुष्य को पुण्य कमाने की इसी इच्छा पर हमला करती नजर आती है।

राजा जनश्रुति एक दिन अपने बनवाए ऐसे ही एक आवसथ में नींद की इच्छा से लेटा हुआ था कि उसे दो हंसों की आपसी बातचीज सुनाई पड़ी। अब कल्पना करिए दो हंस आपस में बातचीज कर रहे हैं, उनकी बातचीज की थीम दर्शन है और उसमें एक हंस दूसरे को भल्लाक्ष कहकर बाकायदा एक नाम से सम्बोधित कर रहा है तो क्या अर्थ हो सकता है इसका? यही कि मनुष्य को जीवन सम्बन्धी दर्शन की अनुभूति प्रकृति के किसी भी रूप से मिल सकती है। प्रकृति अपने हर रूप से हमें सन्देश दे रही है और यह हम पर निर्भर है कि हम उस सन्देश को ग्रहण करते हैं या नहीं। और अगर दोनों हंस आपसी बातचीज में रैक्व के बो में कुछ कह रहे थे तो उसका अर्थ यही हुआ कि रैक्व की दार्शनिकता की ख्याति मनुष्य तो क्या पशु पक्षियों तक भी फैली थी। और सबसे मजेदार एक संकेत इस बातचीज में यह है कि अगर हंसों का जोड़ा अपनी बातचीज में रैक्व का महत्व समझाने के लिए जुए के खेल में से दृष्टान्त पेश कर रहा है तो उसका मतलब यह हुआ कि तब के हमारे समाज में जुआ खूब चलता था। सिर्फ याद दिला रहे हैं कि एक ऋषि कवष ऐलूष ने जुए पर पूरा एक वैदिक सूक्त लिखा था और उस मन्त्र रचना को इतना सुन्दर और अच्छा माना गया कि उसे ऋग्वेद के संकलन में बाकायदा जगह मिली और

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

शिक्षा के नाम पर लूट

अप्रैल से नये शिक्षा सत्र के लिये स्कूलों ने शुभारम्भ कर दिया लेकिन इस शुभ कार्य में लूट का मंत्र जिस प्रकार से पढ़ा गया है वह सरेआम डकैती ही है। प्राइवेट स्कूलों का किताब की दुकानों से मिलकर इस प्रकार की लूट करने के मामले सामने आ रहे हैं। शासन-प्रशासन काफी पहले से चेतवानी दे चुका था कि अगली कक्षा में जाने वाले विद्यार्थियों से प्रवेश शुल्क सहित अनवाश्यक न लिया जाए, नव प्रवेशार्थियों को भी किसी प्रकार दबाव न बनाया जाए। एनसीइआरटी की पुस्तकों को उनके तय मूल्य पर बेचा जाएगा। इसके बावजूद स्कूलों की ओर एनसीइआरटी के अतिरिक्त किताबों की सूची छात्र-छात्राओं को थमा दी गई। सूचना मिलने पर प्रशासन की ओर से छापेमारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

इस बीच अन्धेरगर्दी का मामला और उजागर हुआ जिसमें पता चला कि स्कूल बसों व वैन का किराया तय किए जाने के बाद से शिक्षा तंत्र सन्देह के घेर में है। राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए) पर निजी विद्यालयों को फायदा पहुंचाने का आरोप लग रहा है। साथ ही प्रदेश में छपी एनसीईआरटी की किताबों को बजार में 80 प्रतिशत अधिक दामों पर बेचा जा रहा है। उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा का ठप्पा मात्र लगा होने से प्रति किताब महंगी हो गई। जबकि उच्च न्यायालय के आदेश हैं कि स्कूलों में विशेष परिस्थितियों में अन्य प्रकाशनों की किताबें लग सकती हैं लेकिन मूल्य एनसीईआरटी के समान या लगभग बराबर होने चाहिये।

स्कूलों क कापी-किताब व अन्य सामान बेचने के नाम पर जिस प्रकार की लूट चारों ओर मच रही है वह आसानी से रुकने वाली नहीं है। कहने को तो प्रशासन की टीमें काम कर रही हैं, ऐसे स्कूलों पर भी कार्रवाई हो रही है जो दबाव बना रहे हैं लेकिन व्यवहार में हो क्या रहा है इसे उन अभिभावकों के पास जाकर पूछो जिनके बच्चे पढ़ रहे हैं। अपने बच्चों के खातिर कोई भी कहने-सुनने से डरता है। इन्हीं सबका फायदा कतिपय निजी स्कूल व उनके दलाल ले रहे है। यह भी साफ बात है उन अभिभावकों को लूट का कोई फर्क नहीं होता जिनकी अकूत सम्पदा है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए न्याय की बात करनी होगी। शिक्षा का अधिकार सबको है, इस अधिकार को लूट में नहीं बदला जा सकता।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

कक्षा 6 से तीन भाषा प्रणाली लागू

नई दिल्ली। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपना नया शैक्षिक कार्यक्रम लागू किया, जिसके तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 के लिए गणित और विज्ञान की दो स्तरीय प्रणाली तथा कक्षा 6 से तीन भाषा फॉर्मूले का चरणबद्ध कार्यान्वयन शुरू किया जाएगा।

नेपाल में सप्ताह में दो दिन अवकाश

काठमाण्डू। ईंधन आपूर्ति संकट के मद्देनजर नेपाल ने सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए सप्ताह में दो दिन अवकाश की घोषणा की है। मंत्रिपरिषद ने सिंहदरबार सचिवालय में हुई बैठक में शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश देने का फैसला किया था।

अम्बानी समूह ने बैंकों से हड़पे करोड़ों

नई दिल्ली। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो रिलायंस अनिल अम्बानी समूह के खिलाफ दर्ज सात मामलों में कुल 73 हजार करोड़ रुपये की बैंक ऋण धोखाधड़ी की जांच कर रहा है। यह जानकारी उच्चतम न्यायालय में फरवरी में दायर स्थित रिपोर्ट में दी गई है। इसमें कुछ सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की भी छानबीन की जा रही है।

बांग्लादेश के साथ सम्बन्ध मजबूत करेंगे

ढाका। भारत बांग्लादेश के साथ भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए सम्बन्धों को फिर से मजबूत करने के लिए तैयार है। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को यह जानकारी दी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब भारत और बांग्लादेश फरवरी में हुए संसदीय चुनाव पश्चात तारिक रहमान ने द्विपक्षीय सम्बन्धों को फिर से मजबूत करने के प्रयास की बात कही।

महासंग्राम थमा लेकिन बहुत नुकसान

अमेरिका-इजराइल का ईरान के साथ महासंग्राम पूरी दुनिया को दु:ख दे रहा है। ईरान की सभ्यता को ही समूल नष्ट करने की घोषणा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपना रोष दिखाया तो इजराइल की ओर से भी विनाशक हमले हुए। ईरान ने इन दोनों देशों की धमकी को किनारे करते हुए अनाप-सनाप बमबारी की। फिलहाल महासंग्राम थमा लेकिन इससे बहुत नुकसान हुआ है। दुनिया के देश स्थायी शान्ति की उम्मीद कर रहे हैं।

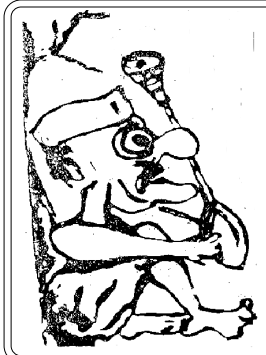

फसक

दाज्यू, एक-दूसरे की लोई उतारने का भी मजा ठैरा

छलछलाट और बलबलाट भी खूब हो रहा है बल

दाज्यू, जब से अपना पर्वतीय प्रदेश बना है, एक-दूसरे की लोई उतारने के अलावा शायद ही कुछ हो रहा होगा। प्रधान का चुनाव हार चुका मनुवा विधायक और चकन्दबाजी में लगे रहने वाला बभलू दर्जा मंत्री बन चुका, इससे ज्यादा और क्या कहा जाए। दाज्यू, एक-दूसरे की लोई उतारने का भी मजा ठैरा। बहुतों का तो सटर-पटर करके ही चना-चबेना हो रहा है। तभी तो छलछलाट और बलबलाट भी खूब हो रहा है बल। सरकार में दायित्व बंटने का काम चल रहा है। धो पोछकर जो जिधर ठहरता है, उसे ईनाम मिल जाने वाला ठैरा।

भाजपा नेता दिनेश अग्रवाल ने अपने हरदा को उज्याड़ू बल्द कह दिया तो हरदा ने भी कहा- 'हाँ, मैं हूँ। हमेशा पार्टी को सींचा।' दाज्यू, पूर्व कबीना मंत्री महेन्द्र सिंह माहरा तो अग्रवाल पर नाराज हैं और कह रहे हैं- 'जो लोग हरीश रावत को उज्याड़ू बल्द कह रहे हैं जब वह कांग्रेस में थे तो उस दौर में हल चलाने व मौई(पाटा) चलाने का कार्य करते थे और उनके दाएं-बाएं चलने का कार्य करते थे।' दाज्यू, हम किसको जो क्या कहें। हमें तो बस यही दिखाई दे रहा है उज्याड़ ही उज्याड़ होते जा रहा है। सब कोफता-पनीर-बिरयानी की बात कर रहे हैं, हम कह रहे हैं भटिया, जौला, चुटकाणी बना दो। बबली को भी राजनीति से फुर्सत नहीं है अब। कहती है- 'टिफिन लगवा लिया है घर में सबके लिए। बना बनाया मामाल है। रगड़ने-धोने का झंझट खतम।' दाज्यू, घोर कलजुग चल रहा है। गू-कचार जो मिले वही निगलने में फायदा लगने लगा है। यूकेडी नेता पप्पन बहुत गुस्से में है। कह रहा था- 'मुख्यमंत्री राहत कोष से मोटी राशि लेकर डकार मारने वाले पार्टी के हैं।' दाज्यू, क्या जो कहा जाए? जब हगने वालों को शर्म नहीं तो देखने वालों को क्या शर्माना। एक बार को आदमखोर बाघ तो पिंजड़े में बन्द हो सकता है लेकिन इनका जो क्या होने वाला है.....। लमगड़ा में भी तो लेखाकार 15 हजार लेते पकड़ा गया बल। दाज्यू, भूख और भाग अपना अपना ठैरा। किसको कितना भोगना है हम क्या बता सकते हैं। बागेश्वर के कपकोट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी नाबालिक बेटी से दुष्कर्म कर डाला। गर्भवती हो चुकी बालिका के पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई अब होती रहेगी।

दाज्यू, अंकिता भण्डारी केस का हल्ला बना हुआ है। दुष्यन्त गौतम की बहुत चिन्ता सता रही है। आँखिर बड़े नेता ठैरे। उर्मिला सनावर दबादब सोशल मीडिया पर बोल रही है। भावना पाण्डे ने भी गदर मचा रखा है बल। बज्जर किसम के हैं इनके लिये क्या किया जाए? चम्पावत में इण्डेन गैस प्रबन्धक दयाल सिंह रावत का असमय निधन हो गया। वह अपना स्थानान्तरण भी करवाना चाहते थे। गैस वितरण का बहुत दबाव था बल। भगवान उनकी आत्मा को शान्ति दे। गैस सिलेण्डर को लेकर जितनी हकाहाक है उससे ज्यादा हलचल तो छड़ैले और छुटभैये करने वाले ठैरे।

दाज्यू, रुद्रपुर में स्पा सेन्टर के नाम पर देह व्यापार का मामला पकड़ा गया। बड़े लोगों का बड़ा कारोबार था बल। इसमें 19 युवतियों का रेस्क्यू हुआ और 10 गिरफ्तारी। सब टिप-टॉप चल रहा है दाज्यू। नैनीताल के बारापत्थर चुंगी पर शुल्क को लेकर पर्यटकों ने हंगामा करते हुए महिला कर्मियों से बदसलूकी की। फिर पुलिसबाजी होनी ही थी। जित देखूं तित श्याम। -तुम्हारा भुली झकरुवा

कोटगाड़ी की कृपा...

प्रथम पृष्ठ का शेष

कहते हैं- कोटगाड़ी मन्दिर की स्थापना हुई होगी, हमारे बुजुर्ग उसी दौर से से यहाँ आते रहे हैं और यहीं हमारा आंगन है। तभी से एक मवासा कोटगाड़ी, एक सनेती, एक चनोती, फल्याटी, तोराथल इन ग्रामों में रहे हैं। चूंकि जानवरों के लिये चारागाह की आवश्यकता होती है, तब वृजवाल भाई अलग-अलग जगहों पर रहने गये थे। मौसम चक्र अनुसार माइग्रेशन में बिल्जू से आने वाले परिवार मुनस्यारी, दुम्मर के बाद पुंगराऊ घाटी आया करते थे। तिब्बत व्यापार तो बुजुर्गों का नियत था ही। फिर यहाँ से व्यापार के लिये हल्द्वानी, काशीपुर, रामनगर भी जाना होता था।

जीवन के उत्तरार्द्ध में वृजवाल दम्पत्ति अपने ग्राम फल्याटी के उन दिनों की याद बताते हैं जब घरेलू सामान लेने पैदल चौकोड़ी जाना होता था। हस्तशिल्प की माहिर श्रीमती तुलसी देवी दन-कालीन व पंखी बनाने जिस प्रकार की उस्ताद रही हैं, महिलाओं का हुजूम इन्हें देखने उमड़ता था। श्री वृजवाल बताते हैं कि उन्होंने पहली बार सन् 1955 में घोड़ों के साथ गरुड़ जाकर गाड़ी देखी थी और उनके बड़े बालक गिरीश ने जब चौकोड़ी में पहली बार गाड़ी देखी वह डरकर भागने लगा। श्री गिरीश वृजवाल भी अपने बचपन की इस घटना को हमेशा याद करते हुए उन दिनों का स्मरण करते हैं।

भीमसिंह जी अपने बड़े भाई प्रेम सिंह जी के साथ एक बार तिब्बत व्यापार के लिये भी गये। रोमांचक और कठिनाई भरी उस यात्रा में तीन धूरा (चोटी) जहाँ जान गंवाने में भी देर नहीं लगती थी। ऊंटाधूरा, जयन्ती, किंगरी-बिंगरी जिसे किसी भी रूप में एक दिन में पार करना अनिवार्य था। जिसे हम डेथ पांइट भी कह सकते हैं। एक ही दिन में पार कर लिया गया। उसी बीच गंगपानी से किंगरी बिंगरी, दुंग, छिरतिंग, चिलमता, मानीथंगा, खिमलिंग, गुरगम, मिसर, बम्बाडोल ज्ञानिमा तक रास्ते पड़ाव दुर्गम बर्फीले रास्तों का सामना करना पड़ा। किंगरी बिंगरी पहुंचकर कैलास पर्वत दर्शन का मनोरम दृष्य दिखाई दिया। सभी गर्खाओं के मित्र की तरह बृजवालों के मित्र खिमलिंग नामक स्थान पर डेरा डाले थे। चंवर गाय के बालों के बनाया तम्बू जिसमें अत्यधिक गरम रहता था।

अब थोड़ा सा इस परिवार के बारे में जान लेते हैं- एक थे लालसिंह बृजवाल। इनके सुपुत्र हुए जसौद सिंह फिर इनकी अगली पीढ़ी के हुए- हीरा सिंह, गोवर्द्धन सिंह, प्रेम सिंह और भीमसिंह। जसौद सिंह की बाद की पीढ़ी का डेरा पुंगराऊ घाटी पर पूरी तरह हो गया। हालांकि उससे पहले भी व्यापार के सिलसिले में इनका आना-जाना बराबर था। जसौद सिंह जी की थराली, नारायणबड़ग में दुकान भी थी। सेठ जी के इस फैले हुए कारोबार में हाथ बंटाने परिवार सहित अन्य भी जुटते थे।

श्री भीमसिंह जी बताते हैं ऊनी कारोबार में भेड़ का काला ऊन गढ़वाल जाता था क्योंकि वहाँ महिलाओं के बनने वाले वस्त्रों में इसकी मांग थी और सफेद ऊन बागेश्वर मेले में जाता था। बागेश्वर गांधी आश्रम के प्रबन्धक शान्ति लाल थे। जिस प्रकार जोहार मुनस्यार में ऊनी कुटीर उद्योग धन्धे थे उनका सामान दन, कम्बल, कालीन, पंखी जौलजीवी मेले में जाता था, उसी प्रकार पांखू से के घरेलू कुटीर उद्योग से सामान बागेश्वर के उत्तरायणी मेले में जाता था।

अपनी संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को जीवनभर जीने वाले वृजवाल दम्पत्ति के पास अनगिनत यादें हैं। इनके सुपुत्र श्री गिरीश बृजवाल श्रीमती भवानी बृजवाल और श्री प्रकाश बृजवाल श्रीमती सरस्वती बृजवाल अपने गाँव-घर की उन पुरानी यादों को समृतियों में सहेजे हुए हैं। तभी उनका मन पुंगराऊ घाटी की उन वादियों में घुमड़ता है और कोटगाड़ी दरबार के दर्शन के अलावा अपने उस स्थान को संवारने में दृढ़ हैं। (पिहि के ब्लॉग में पहले भी दिया है।)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ग्राम

पुरानी परम्पराओं को सहेजता 'दरकोट'

श्रीराम सिंह धर्मशक्तू

सीमान्त क्षेत्र दरकोट गाँव जो सदियों से एक ऐतिहासिक गाँव के रूप में जाना जाता है और यहाँ के लोगों ने जिस प्रकार से हर क्षेत्र में गाँव का नाम उज्जवल किया है वह समस्त जन प्रतिनिधियों बुद्धिजीवियों को अच्छी प्रकार से विदित है। इस गाँव के लोगों ने देश की आजादी के अतिरिक्त अन्य नेक कार्यों में अपना पूर्ण योगदान दिया है चाहे वह महिलाएं हो नवयुवक बच्चों का भी विशेष भागीदारी हमेशा रहा है और रहेगा। स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में जैसा की भारत छोड़ो आन्दोलन 1942 से प्रारम्भ हुआ था उससे पहले भी सीमान्त क्षेत्र का प्रथम व अन्तिम गाँव मिलम से प्रारम्भ हुआ था, दरकोट मन्दिर जो सभी लोगों का आस्था का केन्द्र है और सभी लोगों की मनोकामनाएं माँ दुर्गा मैया पूर्ण करती है। स्थानीय पत्थरों से निर्मित यह मन्दिर अब एक ऐतिहासिक रूप लेने जा रही है सभी लोगों का आस्था इस मन्दिर के ऊपर है जो भी यहाँ पर सच्चे दिल से पूजा अर्चना करते हैं उन सब लोगों के मनोकामनाएं मन पूर्ण करती है दरकोट ग्राम में जो हमारी मातृशक्ति अपनी सदियों पुरानी परंपराएं रही हैं ऊनी कारोबार दन कालीन चुटका पशमीना मफलर टोपी स्टाल आदि कारोबार करते आ रहे हैं और यह कारोबार एक विशाल रूप वर्तमान समय में ले रहा है। बाहर से लोग सामान खरीदने के लिए घर-घर में जाते हैं और जिस प्रकार से लगन से पूर्ण निष्ठा से हमारी मातृशक्ति इस कार्य को कर रहे हैं वह जग जाहिर है और सभी लोग विदेश से भी जो लोग मुनस्यारी में आते हैं सर्वप्रथम दरकोट ग्राम में अवश्य भ्रमण करने हेतु एवं सामग्री खरीदने के लिए अवश्य आते रहते हैं जो एक अच्छा उदाहरण है इससे हमारी आजीविका का साधन भी बन रहा है और जगह-जगह पर प्रचार प्रसार भी यहाँ के स्थानीय लोग करते और हैं। तिब्बत व्यापार समाप्त होने के पश्चात सन 1962 जो भारत चीन युद्ध हुआ था उसके पश्चात व्यापार बन्द हो गया था परन्तु हमारी मातृशक्ति के लोगों ने अपना हथकरघा उद्योग को लुप्त नहीं होने दिया और हर घर में सभी मातृशक्ति कार्य करते रहे जो आज भी करते और हैं यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस कार्य को बढ़ाने के लिए हमारे क्षेत्र के बुद्धिजीवी लोग एवं जो सेवा से निवृत होकर के आ रहे हैं इस कार्य को बढ़ाने में पूर्ण सहयोग करते रहना चाहिए, प्रशासन से इस विषय पर विशेष वार्तालाप भी करते रहना चाहिए और प्रोत्साहित भी करने की अति आवश्यकता है जिससे कार्य करने वाली महिलाएं और अत्यधिक लग्न कार्य करते रहेंगे उनका मनोबल भी ऊँचा रहेगा।

दरकोट गाँव का रामलीला और जो आनन्त चतुर्दशी के शुभ अवसर पर मेला होता है वह भी एक विशेष महत्वपूर्ण सन्देश समस्त लोगों को देता है और दरकोट ग्राम का नाम सब लोग लेते रहते हैं कि दरकोट का रामलीला और मेला सबसे अच्छा होता है। इसमें हमारे गाँव स्व. श्री शेर सिंह पांगती जी का विशेष योगदान रहा है जिन्होंने अपनी पूर्ण निष्ठा तन मन धन से कार्य करते रहे और लोक संस्कृति संगीत को आगे ले जाने में उन्होंने किसी प्रकार की कमी नहीं रखी। आज दरकोट का जो लोक कला केन्द्र है वह पूरे उत्तराखण्ड के अलावा दूर-दूर तक इसका नाम है और हर मौके पर अन्यत्र शहरों में प्रदर्शन करने के लिए मातृशक्ति युवा शक्ति बच्चे लोग जाते रहते हैं। वर्तमान समय में लक्ष्मण सिंह पांगती, हीरा भट्ट अतिरिक्त अन्य जागरूक नवयुवक इसको आगे ले जाने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं जो की एक बहुत बड़ी योगदान है।

लेखन के कार्य में इतिहासकार स्व. राम सिंह बाबूजी, स्व. श्री शेर सिंह पांगती के अतिरिक्त अनेक महान व्यक्तियों ने इस गांव का नाम साथ में मुनस्यारी का नाम रोशन करने में पूरी लगन और निष्ठा के साथ कार्य किया है और करते रहेंगे पर्वतारोहण के क्षेत्र में स्व. पद्मश्री हुकुम सिंह पांगती के अतिरिक्त पद्मश्री लवराज सिंह धर्मशक्तू और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रीना कौशल जी ने भी पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। साथ ही पूरे मुनस्यारी क्षेत्र और दरकोट गांव का नाम भी रोशन किया है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद त्रिलोक सिंह पांगती, स्व. जगत सिंह पांगती, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.कैलसानन्द स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.भागवतानन्द जी इसी गांव दरकोट के निवासी थे जिनका स्वतंत्रता आन्दोलन में विशेष भागीदारी रहा है और देश आजाद होने के बाद भी उनका योगदान समाज सेवा समाज के उत्थान के लिए हमेशा रहा है। इस पूरे क्षेत्र में शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एकमात्र त्रिलोक सिंह पांगती जी थे।

डाकघर कर्मियों पर लापरवाही का आरोप

धारचूला। राथी स्थित डाकघर में अनियमिता और लापरवाही का आरोप लगाते हुए सामाजिक कार्यकर्ता केशर सिंह धामी ने डाक अधीक्षक आर.के. बिनवाल को पत्र भेजा है। धामी ने कर्मचारियों पर कार्य में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पंजीकृत डाक बिना प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर या रसीद दिए वितरित दिखाई जा रही ह। कई आवश्यक डाक दुकानों में रख दी जाती है जिससे उपभोक्ताओं को समय पर डाक प्राप्त नहीं हो रही है। आरोप लगाया कि पोस्टमैन गांव के भीतर डाक पहुंचाने के बजाय मोटर मार्ग तक ही डाक वितरण करते हैं। उन्होंने इसकी जांच की मांग की है।

बेरीनाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना-प्रदर्शन तेज

बेरीनाग। नगर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना-प्रदर्शन तेज हो चुका है। अपनी मांगों को लेकर प्रदेश में तमाम जगह चल रहे आन्दोलनों के तहत बेरीनाग में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आन्दोलित हैं।

संगठन की अध्यक्ष आशा ततराड़ी के नेतृत्व में भी महिला कार्यकर्ता एकत्रित होकर जुलूस की शक्ल में एसडीएम को ज्ञापन सौंपने पहुंचे। उन्होंने लम्बे समय से मानदेय वृद्धि सहित अन्य मांगों को दोहराया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने सेवानिवृत्त होन पर दस लाख देने का शासनादेश जारी करने व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बायोमेट्रिक मशीन से जोड़ने की मांग रखी। यहां पूर्णिमा उपाध्याय, संगीत भण्डारी, दीपा ततराड़ी, तनुजा, बबली, कृष्ण भण्डारी सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कपकोट क्षेत्र में नेताओं के तीखे तीर

बागेश्वर। जिले की कपकोट विधानसभा सीट पर नेताओं के तीखे तीर चलने लगे हैं। आने वाले विस चुनाव को देखते हुए हर बारीक बात को तोला जाने लगा है। दरअसल कपकोट महोत्सव में विधायक सुरेश गढ़िया द्वारा मंच से हुए उद्बोधन के बाद से मायने निकाले गये हैं। उन्होंने लोक कलाकारों की चर्चा के साथ ही कलाकार 'लच्छू पहाड़ी' को लेकर टिप्पणी की तभी से उनके बयान पर बात बिगड़ी है। कलाकार लच्छू सहित तमाम लोग विधायक की बात को उनका अपमान बता रहे हैं। विधायक पक्ष का कहना है कि उनकी बात को घुमाकर कहा जा रहा है।

ज्योतिष की बातें- 277

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिद्र अन्य कोग्र भी ग्रह राशि परिवर्तन नहह्न कर रहा है । सम्पूर्ण सप्ताह सूर्य अपनी उच्चराशि मेष में, मंगल व शुक्र मित्रराशि मीन व वृषभ में, शनि समराशि मीन में, गुरु शत्रुराशि मिथुन में और बुध नीचराशि मीन में गोचर करेगा तथा चन्द्रमा इस सप्ताह वृषभ, मिथुन, कर्क व लसह राशि में क्रमशः गोचर करेगा ।

20 अप्रैल 2026 को सूर्य सायनमान से वृषभ राशि में प्रवेश करेगा अतः ग्रीष्म ;तु का प्रारम्भ होगा । अगले दो महीने त्रिला अथवा हरड़ के चूर्ण का गुड़ के साथ सेवन करना स्वास्थ्यप्रद होगा ।

श्री शंकराचार्य जयन्ती - वैशाख शुक्ल पंचमी उदयव्यापिनी तिथि, तदनुसार मंगलवार 21 अप्रैल 2026 को आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य भगवान की जयन्ती मनाग्र जाएगी । इस दिन शंकराचार्य जी के द्वारा रचित किसी ग्रन्थ का पाठ करना चाहिए ।

गृंगा सप्तमी - वैशाख शुक्ल सप्तमी मध्याह्न व्यापिनी तिथि के अनुसार गुरुवार 23 अप्रैल 2026 को गृंगा सप्तमी का पर्व मनाया जाएगा । इस दिन श्र)पूर्वक गृंगास्नान एवं गृंगापूजन करना चाहिए ।

सीता नवमी द्धजानकी जयन्तीऋ- वैशाख शुक्ल नवमी मध्याह्न व्यापिनी तिथि, तदनुसार शनिवार 25 अप्रैल 2026 को सीता नवमी का पर्व उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा । इस दिन माता सीता का शोडषोपचार पूजन कर सीता जी के जन्म का प्रसंग श्रवण करना चाहिए और जानकीस्तोत्रम् आदि का पाठ करना चाहिए ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 164

लम्बी होती पढ़ाई

एक समय था, जब 16 साल का लड़का प्राइमरी स्कूल में टीचर हो जाता था और 20 साल का युवक विश्वविद्यालय में प्राफेसर बन सकता था। अब स्थिति बहुत गम्भीर हो गई है । तीस-तीस वर्ष तो पढ़ाई में ही बीत जा रहे हैं। पहले 16 वर्ष पढ़ने पर लड़का पढ़ाई पूर्ण कर लेता था, उस समय उसकी उम्र होती थी लगभग 20 वर्ष। आजकल कक्षा एक में जाने के पहले ही बच्चे को तीन साल और पढ़ना पड़ता है। ग्रेजुएशन के सभी पाठ्यक्रम तीन अथवा चार वर्ष के हो गए हैं। स्नातकोत्तर करने तक लड़का प्रायः 24 वर्ष का हो जाता है। यदि इंजीनियरिंग, मेडिकल जैसा कोई व्यावसायिक पाठ्यक्रम करना हो तब तो उम्र और भी अधिक हो जाती है। इसके बाद नौकरी की तैयारी दो-तीन साल करने के बाद वह लगभग 30 वर्ष का आदमी हो जाता है। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि अब कमाई प्रारम्भ होने तक आदमी को 10 वर्ष का अधिक समय लग रहा है। इस प्रकार जो युवावस्था कमाई करने में काम आनी चाहिए थी वह पढ़ाई में ही बर्बाद हो जा रही है।

मेरे विचार से प्रि-प्राइमरी पाठ्यक्रमों को कठोरतापूर्वक बन्द किया जाना चाहिए। सभी स्नातक पाठ्यक्रम पूर्व की भाँति दो वर्ष के ही होना चाहिए। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में सर्टिफिकेट कोर्स 1 वर्ष का, डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का और ग्रेजुएशन कोर्स 3 वर्ष का ही होना चाहिए। बीएड, एमएड जैसे पाठ्यक्रम पूर्व की भाँति एक-एक वर्ष के ही होना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीएड, एमएड और पीएचडी किसी भी पद के लिए अनिवार्य नहीं होना चाहिए। ये कोर्स पहले की तरह जॉब करने के मध्य में प्रमोशन के लिए ही आवश्यक होना चाहिए।

-ओंकार नाथ कोष्टा

आपके पत्र

आपका सम्पादकीय समसामायिक मुद्दे पर लिखा गया सटीक विश्लेषण है। मुझे करीब सात साल होने को हैं गाँव में। केवल सड़कों के निर्माण के अलावा ज्यादा कुछ निर्माण नहीं दीख रहा है। सड़क निर्माण में भी पहाड़ी भू-भाग को बेरहमी से उधेड़ा जा रहा है। जो भविष्य के लिए आपदा को आमंत्रण ही कहा जाएगा। बाकी न शिक्षा पर ध्यान न स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार न रोजगार सृजन की ओर रुझान। खेती पशुपालन बागवानी पर्यावरण सब समाप्ति की कगार पर..? फिर भी चार साल बेमिसाल...? हाँ, एक किलोमीटर क्षेत्र के अन्तर्गत छह सात बार और दो दो शराब की दुकानें जरूर खुल रही हैं। हाँ, बार और शराब की दुकानों में जनविरोध के बावजूद निरन्तर वृ) हो रही है। क्या गिनाएं? कार्यकर्ता छोटे ठेकेदार और बड़े लाल बत्ती धारी जरूर बनाए जा रहे हैं। उधर सरकार कर्मचारियों को तनख्वाह और पेंशनरों को पेंशन देने को नाक-भौंह सिकोड़ने लगी है??

अच्छे तीखे संपादकीय के लिए आपको बहुत बहुत साधुवाद।

-रतन सिंह किरमोलिया,
गरुड़

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

शक्तिगढ़ में नए पंचायत भवन की नींव

सितारगंज। शक्तिफार्म के शक्तिगढ़ में विकास को नई गति देते हुए नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मण्डल ने 95.64 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए नगर पंचायत भवन का भूमि पूजन व शिलान्यास किया।

किसानों को केन्द्र से मिलेगी राहत

देहरादून। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तराखण्ड सहित कई राज्यों में असामयिक वर्षा और ओलावृष्टि से रबी फसलों को हुए नुकसान का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को नुकसान का आकलन करने, राज्य सरकारों के साथ मिलकर सर्वे करने और किसानों को पीएम फसल बीमा योजना के तहत राहत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मानसून से पहले करें तैयारी : रयाल

हल्द्वानी। आगामी मानसून को देखते हुए जिला प्रशासन ने नदियों की सफाई, सिल्ट निकासी, ड्रेनेज व्यवस्था मजबूत करने और भू-कटाव रोकने के लिये व्यापाक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। डीएम ललितमोहन रयाल ने समीक्षा बैठक में खनन से बाढ़ का खतरा देखते हुए मानसून से पहले समाधान के निर्देश दिये। विधायक लालकुआ मोहन सिंह बिष्ट भी बैठक में उपस्थित थे।

यूकेडी का गांव-गांव अभियान

पिथौरागढ़। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल ने 'उत्तराखण्ड बचाओ अभियान' के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में चेकिंग एवं जनसम्पर्क अभियान चलाया हुआ है। अभियान में जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर पुनेड़ा, आर्यन वल्दिया, जनार्दन उप्रेती, गिरीश जोशी, राम दत्त जोशी, गौरव धामी ने पाटी के एजेंडे बताते हुए सभी को जागरुकता का सन्देश दिया है।

मंगोली-बजून में शराब दुकान निरस्त

नैनीताल। मंगोली और बजून क्षेत्र में शराब की दुकानों के विरोध के बाद इन्हें निरस्त कर दिया गया है। धरने के दौरान उग्र प्रदर्शन करते हुए आत्मदाह की चेतावनी दे रही महिलाओं ने लिखित आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया।

डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल जारी

अल्मोड़ा। विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियरों का आन्दोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। 27 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रही हड़ताल में प्रदर्शनकारियों ने शक्ति सदन में एकत्र होकर सरकार के खिलाफ नारे लगाए। कहा कि वे लम्बे समय से अपनी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप लगाया कि सरकार की ओर से कई बाद आश्वासन दिए गए।

परिक्रमा

फचैऽक

महंगाई पुजि गै अगास में, गरीब गुर्ब डाड़मान छन।
बेरोजगारी भौत हैगै, कुलिकाम न्हां परीशान छन
कुलिकाम न्हां परीशान छन, कसिक पहाड़ में दिन कट्ल
सरग्क द्वार ढकी गई, नानतिनन कसिक रुवा्ट मिल्ल
सरकार करलि के तो करलि, लोगबाग चै रई यो आस में
सरकारल आजि तक के न कर महंगाई पुजि गै अगास में।

गणेश पाण्डे

नैनीताल में बनेगा आधुनिक वेंडर जोन

नैनीताल। शहर के सौन्दर्यीकरण, यातायात सुधार और स्थानीय व्यापार को संगठित करने के उद्देश्य से नगर पालिका एक आधुनिक शापिंग हब और वेडिंग जोन विकसित करने जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 121 फड़ व्यवसायियों को स्थायी दुकानें आवंटित की जाएंगी, जिसमें वर्षों से अस्थायी रूप से व्यापार कर रहे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। नगर पालिका द्वारा इस नए वेंडर जोन के लिए मल्लीताल स्थित लकड़ी टाल की भूमि का चयन किया गया है। प्रस्तावित परियोजना के तहत इस स्थान को एक सुव्यवस्थित और आकर्षक व्यावसायिक केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों को भी बेहतर खरीददारी सुविधाएं मिल सकेंगी।

भमुनाखोला मैदान में कत्यूर महोत्सव

बागेश्वर। बैजनाथ भकुनाखोला मैदान में कत्यूर महोत्सव मनाया गया। इसका उद्घाटन दर्जा राज्यमंत्री शिवसिंह बिष्ट, विधायक पार्वती दास, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, नगर पंचायत अध्यक्ष भावना वर्मा, ब्लाक प्रमुख किशन सिंह बोरा ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर सीएम पुष्कर धामी ने वीडियो सन्देश से बधाई दी। विधायक पार्वती दास ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए आवश्यक हैं। दर्जा मंत्री शिवसिंह बिष्ट ने कहा कि इसे स्थानीय लोगों की एकता और उत्साह का प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिये।

महोत्सव में भजन संध्या के अलावा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। स्थानीय व आमंत्रित कलाकारों के कार्यक्रम के अलावा वालीवाल प्रतियोगिता, पेंटिंग, ऐपण, सुलेख व महेंदी प्रतियोगिता हुई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल भी उपस्थित थे।

गंगोलीहाट जलजीवन मिशन में सूखा

गंगोलीहाट। तहसील के अर्न्तगत केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना में जिस तरह की कमिया उजागर हुई हैं उससे तो इसे सूखा ही कहा जाएगा। बताया जाता है कि 62 योजनाओं में से 47 में पानी नहीं चल रहा है। इस प्रकरण को जिलाधिकारी के सम्मुख रखते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय में 'जाग उठा पहाड़' के संयोजक गोपू महर ने कहा कि गंगोलीहाट जल जीवन मिशन योजनाओं के नाम पर 30 करोड़ की धनराशि खर्च की गई है। आम जनता द्वारा नलों में पानी नहीं आने की शिकायत पर उन्होंने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। जिस पर तहसीलदार द्वारा जांच कराई गई जिसमें 47 योजनाओं में पानी नहीं आने की पुष्टि हुई लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई है। कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना और इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इस गम्भीर मामले पर शीघ्र जांच हो।

डीडीहाट में जाम से मिलेगा छुटकारा

डीडीहाट। नगर क्षेत्र में सकरी सड़क पर होने वाले जाम से शीघ्र छुटकारा मिलने की बात कही जा रही है। मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल बाईपास निर्माण कार्य को स्वीकृति मिलने के बाद माना जा रहा है कि तीन किमी लम्बे बाईपास के बन जाने से वाहनों का दबाव कम होगा और नगर में पैदल चलने वालों को राहत मिलेगी। असल में डीडीहाट तहसील मुख्यालय में स्थानीय वाहनों के अलावा बाहर से आने वाले वाहनों का जाम लगा रहता है। बेहद सकरी सड़क पर किसी प्रकार की गुंजाइश भी नहीं है, ऐसे में राहगीतरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क किनारे ही पूरा बाजार भी सजा है। ऐसे में भारी वाहनों के लिये बाईपास का होना बहुत जरूरी था। लम्बे समय से इसके लिये मांग की जा रही थी। अब सीएम घोषणा में शामिल इस कार्य को लोनिवि ने हाथ में लेते हुए सर्वे शुरू कर दिया है।

उपजाऊ भूमि नहीं देंगे जजौलीवासी

गंगोलीहाट। तहसील क्षेत्र के जजौली में प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य पर अनु. जाति बाहुल घनेला तोक के ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए अपनी उपजाऊ जमीन नहीं देने का ऐलान किया है। कहा है कि यदि जबरन भूमि लेने का प्रयास हुआ तो वह उग्र आन्दोलन करेंगे। अपनी आपत्ति दर्ज करने के लिये ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय में नारेबाजी की। कहा कि अपनी उपजाऊ भूमि पर कृषि कार्य कर आजीविका चलाते है।। ऐसे में यहां सड़क निर्माण कार्य किए जाने से ग्रामीण भूमिहीन हो जाएंगे और उनकी रोजी रोजी पर संकट होगा। प्रदर्शनकारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए प्रस्तावित मोटर मार्ग निर्माण कार्य को रोकने की मांग की। इस मौके पर बिशन राम, गुसाई राम, आनन्द राम, सन्तोष कुमार, तुला राम, जीवन राम, फकीर राम, जीवन राम, धन राम, जगत राम आदि शामिल थे।

सीएम राहत कोष में गड़बड़ी का आरोप

चम्पावत। मुख्यमंत्री राहत कोष में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। सोशल मीडिया में भी लगातार इस तरह के वीडियो वायरल किये गये हैं कि अपने चहेते और सक्षम लोगों को लाखों रुपये की राशि दी गई है। जो राशि दीनहीन लोगों के लिये होती है उसे पार्टी से जुड़े खास लोगों को खुस करने के लिये दिया गया है। चम्पावत की यह आग पूरे प्रदेश में आग की तरह फैल चुकी है और सूचना के अधिकार में मांगी गई जानकारी को सार्वजनिक करते हुए लगातार आरोप लग रहे हैं।

चम्पावत में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चिराग फर्तयाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजते हुए कहा कि कोष से राशि वितरण में नियमों की अनदेखी की गई है। सूची में लाभार्थियों के नाम के स्थान पर अध्यक्ष, जिलाधिकारी, नेम आदि अंकित किया गया है। जिससे धनराशि वितरण में अनियमिता साफ झलकती है। पार्टी की निर्मला गहतोड़ी सहित अन्य ने भी बात रखी है।

डीडीहाट जोहार भवन का 7जून को उद्घाटन

डीडीहाट। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति डीडीहाट द्वारा 7 जून को आयोजित समारोह में नवनिर्मित जोहार भवन का उद्घाटन किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि शौका समाज द्वारा जरूरतों को देखते हुए इस भवन का निर्माण किया गया, जो आने वाले समय में बहुउद्देशीय भी है।

आदिकैलास क्षेत्र में सुविधाओं की मांग

धारचूला। पर्यटन सीजन शुरू होने से पहले आदिकैलास, ओम पर्वत क्षेत्र में स्थानीय लोग पैदल रास्तों की समस्या से जूझ रहे हैं। जिला मुख्यालय पहुंचकर डीएम से भेंट कर उनहेनें कहा कि दुग्तू से जौलापानी तक सड़क निर्माण व कंज्योति में पर्यटकों के लिये सुलभ शौचालय निर्माण करवाया जाए।

आंगनबाड़ी वर्कर्स का कार्यबहिष्कार

अल्मोड़ा। मानदेय वृद्धि समेत अन्य मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लम्बित मांगों का निराकरण नहीं होने से नाराज कार्यकर्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

चहज में शराब दुकान का विरोध

गंगोलीहाट। यूथ आर्मी ने चहज दूनी टिप्टा क्षेत्र में शासन की ओर से प्रस्तावित शराब की भट्टी के विरोध में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जिला पंचायत सदस्य राहुल कुमार, गौरव पन्त, नीरज मेहरा ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि रिहायशी इलाके में शराब भट्टी खुलने से माहौल खराब होगा और सुरक्षा पर भी खतरा मंडराने की सम्भावना है।

तवाघाट में भी शराब का विरोध

धारचूला। कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग पर तवाघाट में प्रस्तावित शराब की दुकान का विरोध हो रहा हे। ग्राम पंचायत खोला के क्षेत्र पंचायत सदस्य महेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए दुकान खोलने का निर्णय वापस लेने की मांग की। कहा, यदि दुकान खुली तो क्षेत्रवासी सड़क पर प्रदर्शन करेंगे।

गोलज्यू ग्रष्मोत्सव की तैयारी

चम्पावत। नगर पालिका परिषद की बैठक में नगर में होने वाले गोलज्यू ग्रीष्मोत्सव को लेकर विचार-विमर्श हुआ। पालिका अध्यक्ष प्रेमा पाण्डेय ने बताया कि मई माह में इस उत्सव को किया जायेगा। बैठक में सांस्कृतिक संध्या और व्यापारिक गतिविधियों के अलावा नगर में होने वाले अन्य विकास कार्यों पर भी चर्चा की गई। संचालन ईओ भरत त्रिपाठी ने किया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रैक्व ने कहा.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

हजारों सालों की परम्परा में इस सूक्त को पूरा सम्मान भी मिला। इस पर हम काफी पहले लिख चुके हैं।

जो जानश्रुति ने सुना कि एक हंस दूसरे से कह रहा है, 'अरे ओ भल्लाक्ष, जैसे जुए के पूरे खेल का सारा लाभ उसी को मिलता है जो आखिरी दांव जीतता है, वैसे ही इस धरती पर किसी के प्रत्येक पुण्यकर्म का लाभ रैक्व को जाता है जो टूटे छकड़े के नीचे हर वक्त बैठा रहा करता है।'

तो क्या इसका मतलब यह हुआ कि जानश्रुति जो भी पुण्यकर्म कर रहे हैं उसका सारा लाभ रैक्व को जा रहा है? जानश्रुति को काटो तो खून नहीं। उसके तो पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। हड़बड़ाकर उठ बैठे। सेवकों को आदेश हुआ कि टूटे छकड़े के नीचे बैठे इस रैक्व नामक प्राणी को ढूँढ निकाला जाए। सो ढूँढ शुरू हुई। कुछ वक्त तक तो पता ही नहीं चल पाया कि आखिर यह फक्कड़ बैठता कहाँ है। आखिर मिला तो कहीं जाकर राजा की बेचैनी दूर हुई। सोचा कि इस दृष्टा से कुछ सीखने के लिए उसके पास जाना चाहिए। पर परमसमृद्ध, शक्तिशाली राजा एक फक्कड़ के पास जा रहे हैं, जीवन की गुत्थी समझने और वह फक्कड़ भी कैसा? जो एक ऐसे छकड़े के नीचे बैठा है जिसका मालिक तक भी वह नहीं।

राजा ने अपने साथ बहुत सारे उपहार लिए। 500 गउएँ, एक सोने का हार और एक रथ, जिसे दो खच्चर हाँक रहे थे। राजा को लगा होगा कि छकड़े के नीचे बैठता है तो उसे शायद एक रथ मिल जाएगा तो वह प्रसन्न हो जाएगा। पैसा मिल जाएगा, गऊएँ मिल जाएँगी तो वह इतना प्रसन्न हो जाएगा कि अपना उपदेश देने को तैयार हो जाएगा। पर रैक्व ने न केवल इन सब को अस्वीकार कर दिया बल्कि राजा का लगभग अपमान कर दिया। जानश्रुति को लगा कि शायद उपहार देने भर से काम नहीं चलेगा। और उससे रिश्ता भी गाँठना चाहिए। दूसरी बार जब राजा उसके पास गया तो उन सभी उपहारों के साथ वह अपनी युवा और सुन्दर पुत्री को भी ले गया। और फिर से अनुरोध किया कि हे भगवान, मुझे उपदेश दो- मा भगवः शाधि। पता नहीं क्या हुआ कि रैक्व खुश हो गया और बोला- तो तुम अपनी पुत्री के बदले ज्ञान चाहते हो? आओ मैं सन्तुष्ट हुआ और अब सुनो मेरी बात। इसके बाद रैक्व ने जो उपदेश दिया उसका सार है कि सृष्टि का संवर्ग अर्थात् अन्तिम सत्य वायु ही है। जब आग बुझती है तो वह वायु में ही समा जाती है। अब सूर्य डूबता है तो वह और कहीं नहीं जाता वायु में ही जा डूबता है। यही हालत चन्द्रमा की भी है। ठीक इसी तरह जब पानी सूखता है तो वह भी भला कहाँ जाएगा? वायु में ही समाएगा। मनुष्य, उसकी वाणी, उसकी आँखें, उसके नेत्र यहाँ तक कि उसका मन भी तब ही कायम है जब तक कि उसमें वायु की शक्ति समाई है। वायु सर्व शक्तिमान है। सब कुछ वायु में ही समाया है।

तो क्या कहती है रैक्व की यह कथा? दो बातें बिल्कुल स्पष्ट हैं। एक कि महाभारत से कुछ सदी पहले और कुछ सदी बाद जहाँ एक ओर कर्म सिद्धान्त जबर्दस्त विश्लेषण का विषय बना हुआ था, जिसके दर्शन हमें गीता और ईशोपनिषद में होते हैं वहीं दूसरी ओर सृष्टि का कारण क्या है, यह भी इन्हीं सदियों में कई विचारकों को मथ रहा था। नासदीय सूक्त के रचियता परमेष्ठी ने उस समय चल रहे कई विचारों को अपने सूक्त में संकलित कर दिया था। कुछ लोग मानते थे कि सृष्टि का जन्म तम अर्थात् अन्धेरे से हुआ है। कुछ लोगों ने जल को इसका प्रथम तत्व माना तो किसी ने काम अर्थात् इच्छा में सृष्टि के जन्म को ढूँढा। रैक्व सम्भवतः उस सम्प्रदाय के थे जो वायु को अर्थात् प्राण तत्व को सृष्टि का परम तत्व मानते थे।

लेकिन दूसरी बात भी उतनी ही मजेदार और वह है कि इस देश में कबीर दास जैसे फक्कड़ बुद्धिजीवियों की परम्परा बड़ी पुरानी है। कहाँ रहना है, इसकी चिन्ता नहीं। कैसे बरतना है इसकी परवाह नहीं। शादी हो जाए तो कोई गम नहीं। अकूत सम्पत्ति की पेशकश हो तो ऐसे ठुकरा देना मानो मिट्टी का ढेला हो। बात भी सच है कि अगर सृष्टि को हमने समेटना शुरू कर दिया तो सृष्टि के बारे में कैसे सोच पाएँगे? सृष्टि के बारे में सोचना है तो खुद को उससे अलग तो करना ही होगा। खुद को अलग करके उसे सामने रखेंगे तो ही उसे निहार पाएँगे। यानी रैक्व तो बनना ही होगा।

(साभार नवभारत टाइम्स)

2027 चुनाव के लिये जोर मारती कांग्रेस

जीत के समीकरण गुड़-गोबर होने से बचाने के लिये जुटे हैं दिग्गज

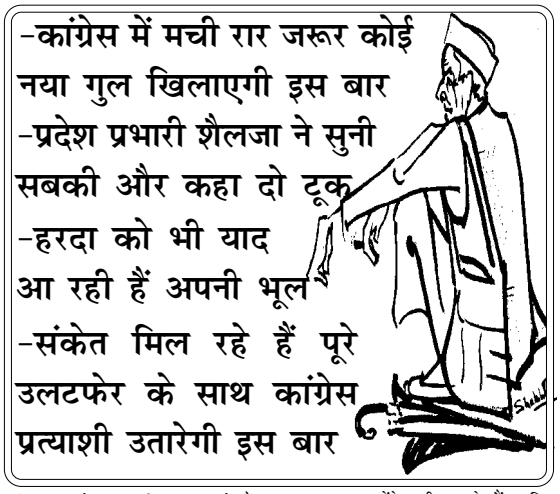

उत्तराखण्ड में 2027 विधानसभा चुनाव जीत कर सत्ता में आने का सपना देख रही कांग्रेस इस बार पूरे उलटफेर के साथ प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारेगी ऐसे संकेत मिल रहे हैं। टिकट मिलने और न मिलने की घमासान अपनी जगह रहेगी। जैसा कि टिकट को लेकर हल्द्वानी सीट, भीमताल सीट, रामनगर सीट पर अभी से होने भी लगा है।

पार्टी के दिग्गजों के बीच जिस प्रकार रार मची है वह जरूर कोई नया गुल खिलाएगी। ऐसे में भाजपा के कई नेता भी अपने लिये मौका तलाश रहे हैं। भाजपा-कांग्रेस में चल रहे रहे रौंदने के इस खेल में यूकेडी को उभरने का अवसर मिला है। आने वाले दिनों में चुनाव गणित का प्रभाव साफ दिखाई देने लगेगा।

2027 चुनाव के लिये जोर मारती कांग्रेस के नेता आपस में भिड़कर कहीं जीत के समीकरणों का गुड़-गोबर न कर डालें, इसके लिये दिग्गज जुटे हैं। मची रार को थामने के लिये पार्टी की प्रदेश प्रभारी शैलजा का दौरा हुआ और उन्होंने सभी प्रमुख नेताओं की बात सुनी और हिदायत भी दी। बांकी बात तो वह दिल्ली जाकर ही बताएंगी। शैलजा के उत्तराखण्ड दौरे से पहले जितनी उठापटक पार्टी के नेता करने लगे थे उन्हें आलाकमान का निर्देश आया कि बयानबाजियों से बचें। नाराज चल रहे हरदा भी प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या से भेंट करने गये। हरदा का कद सभी पार्टियों में बड़ा है लेकिन उन्हें इस दौर में अपनी पुरानी भूल भी याद आ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत 'हरदा' काफी दहाड़ते रहे हैं लेकिन उन्हें पता लग चुका है कि अब पुरानी सी बात नहीं है। कांग्रेस उनके खिलाफ खुलकर बगावत वालों की संख्या ज्यादा है। तभी तो उन्होंने कहा- 'जिनको हाथ पकड़ कर चलना सिखाया वो अब तरीका बता रहे हैं।' हरदा के साथ विधायक हरीश धामी, गोविन्द कुन्जवाल, महेन्द्र माहरा, मनोज तिवारी, ललित फर्स्वान, संजय नेगी मुख्य रूप से जुड़े हैं।

भीमताल सीट पर लाखन नेगी को कांग्रेस का चेहरा तय मानने के बाद से घमासान चल रही है। पार्टी के भीतर की खींचतान में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुष्कर नयाल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। हल्द्वानी सीट पर विधायक सुमित हृदयेश पार्टी के दावेवार माने जाने जा रहे हैं लेकिन जोश में रहने वाले ललित जोशी का मचलना भी कम नहीं है। रामनगर सीट के लिये संजय नेगी और रणजीत रावत के बीच की दूरी चर्चा में हैं। संजय नेगी ने दोहराया है कि वह पार्टी के लिये बात मानने को तैयार हैं। रणजीत रावत उनके बड़े हैं और आशीर्वाद दें लेकिन अन्ततः क्या जो होगा, समय पर छोड़ते हैं। हरदा को निशाने पर लेने वाले रणजीत रावत ने कहा- 'हरीश रावत क्या करेंगे वही जानते हैं। हरि कथा हरि कथा अनन्ता। उनका लक्ष्य सिर्फ अपना लाभ है। उन्होंने पार्टी के लिये या इनके प्रत्याशियों के लिये कभी काम नहीं किया और चाहा जैसा चाहूंगा वैसा करूंगा। कांग्रेस किसी के जेब की पार्टी नहीं हैं। प्रकृति का नियम है जब बंटवारा होता है तभी किसी को लाभ होता है। अब सब लोग हरीश रावत को खुलकर समझ चुके हैं। बांकी पार्टी का निर्णय सर्वोच्च है।' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कालाढूंगी सीट से चुनाव मैदान में उतरने वाले प्रकाश जोशी हरीश रावत को लेकर कह चुके हैं- क्रिकेट और राजनीति में खेल से ज्यादा महत्वपूर्ण है अपने विवेक से ऐसे समय व दौर का चयन करना, जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं या फिर समय के अनुसार अपने लिए अनुकूल रोल का चयन कर लेना।'

एक-दूसरे पर मुंहजोरी करते नेताओं को देख पार्टी कार्यकर्ता असहज महसूस करने लगे कि एकजुट होती पार्टी में क्या हो रहा है और कैसे दुबारा सत्ता में आएंगे। यही सन्देश चारों ओर गया तो नेताओं ने अपने तेवर दिखाने के लिये बदले हैं। पार्टी की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने पार्टी नेताओं की सुनने की शुरुआत रुद्रपुर में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन से की। तराई में शक्ति प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने सबसे मिलकर काम करने को कहा। राजकुमार ठुकराल ने अपने पुराने दर्द के आंसू बहाए और जी-जान से पार्टी के लिये जुटने की बात कही। मंच पर दिग्गजों की एकजुटता भी दिखी लेकिन हरदा नहीं थे। सह प्रभारी मनोज यादव, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या, चुनाव अभियान समिति के चैयरमैन प्रीतम सिंह, तिलकराज बेहड़, करन माहरा ने अपने विचार रखे। हल्द्वानी के स्वराज आश्रम में हुए कार्यकर्ता सम्मेलन में भी हरीश रावत उपस्थित नहीं हुए जबकि प्रदेश भर के दिग्गजों ने हुंकार भरी और एकता के लिये जुटने को कहा। हरक सिंह रावत ने अपने जोशिले अंदाज में माहौल बनाए रखा। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष करन महारा ने कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी अपराधियों को रोजगार दे हैं। हमारे राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। अपराधियों को खुलेआम लाइसेंस दिये जा रहे हैं। प्रदेश चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह सहित पार्टी के महामंत्री गुरदीप सिंह सब्बल, नारायण पाल, लाखन सिंह नेगी, राहुल छिम्वाल, डॉ.महेन्द्र पाल सहित तमाम लोग थे। तराई में बाजपुर, कोटद्वार भी शैलजा ने सम्पर्क और सभा में भागीदारी की। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने सबकी सुनी लेकिन दो टूक कहा- चाहे कोई कितना बड़ा नेता हो टिकट जीतने वाले को ही दिया जायेगा।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

2027 चुनाव के लिये रास्ता बनाते नेता

भाजपा के लिये आसान नहीं है राह

उत्तराखण्ड में 2027 विधानसभा चुनाव के लिये कांग्रेस पार्टी में चल रहे द्वन्द के बीच भी माहौल बना हुआ है और तराई में तो बकायदा प्रचार भी हो रहा है। ऐसे में भाजपा जैसी बड़ी पार्टी चुप नहीं रह सकती। सत्ता की ताकत के बीच इसके नेता माहौल बनाने निकले हैं लेकिन अब रास्ता उतना आसान नहीं है जैसा पहले था। प्रदेश में दलों का दलदल दिखाई दे रहा है और पार्टी छोड़ भागने से लेकर एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी व पोल खोलने का कार्यक्रम जारी है। टिकट बंटवारे तक गच्चा देने वाले भी पार्टी को दिक्कत देने वाले होंगे।

प्रदेश में धामी सरकारी हैट्रिक लगाने के लिये जोर मारेगी और सीएम धामी स्वयं भी इस बात की निगरानी कर रहे हैं कि कहीं कोई कमी न रहने पाए परन्तु जिस प्रकार से उनके अपने घेरने पर उतारू हैं वह उलझन ही है। खटीमा और चम्पावत दोनों सीटों पर पुष्कर सिंह धामी को लेकर चर्चा हो रही है, साथ ही श्रीमती गीता धामी भी चर्चा में आ चुकी हैं। खटीमा में कांग्रेस के उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी का दबदबा नकारा नहीं जा सकता है और चम्पावत में अन्दखाने कुतरने वाले ज्यादा हैं। ऐसे में धामी टीम को मेहनत करनी होगी। कालाढूंगी सीट पर भाजपा का शुरू से ही माहौल है लेकिन विधायक बंशीधर भगत के अलावा अन्य किसी को टिकट मिलने पर इस बार जूझना होगा। तराई की सीटों पर तो बहुत कांटेदार माहौल अभी से दिखने लगा है। सितारगंज में कांग्रेस के नारायण पाल प्रचार करने लगे हैं। गदरपुर व बाजपुर में अरविन्द पाण्डे को लेकर गुत्थमगुत्था जैसे सुर छिड़े हुए हैं। किच्छा में तिलकराज बेहड़ का माहौल बना हुआ है जबकि रुद्रपुर में राजकुमार ठुकराल कांग्रेस में शामिल होने के बाद मानो शिकार की तलाश में घूम रहे हों। भाजपा संगठन बहुत मजबूत और बड़ा है लेकिन इस बार विपक्ष की रणनीति और लोगों की नाराजगी के बाद भाजपा को मेहनत ज्यादा करनी होगी।

थल मेला, तल्ला जोहार और धरमघर महोत्सव की धूम

थल का ऐतिहासिक व्यापारिक मेला इस बार भी अपनी गति से चलता रहा। मुख्य रूप से शिव मन्दिर में श्रद्धालुओं की भीड़ के अलावा परम्परागत लोक कला से जुड़े अपने धुन में रमे रहे जबकि तीन दिवसीय मेले में सांस्कृतिक मंच से प्रस्तुतियों को दिया गया। बाजार में खरीद-फरोख्त के लिये ग्रामीण क्षेत्र से काफी लोग जुटे। मेला समिति के अध्यक्ष दिनेश चन्द्र पाठक सहित तमाम लोग थे।

नाकुरी पट्टी में धरमघर महोत्सव की धूम देखी गई। आयोजन समिति के अध्यक्ष गोकुल पंचपाल, केदार महर, चेतन धर्मशक्तू सहित तमाम लोग इसमें जुटे थे। कलश यात्रा के साथ आरम्भ आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अलावा खेलकूल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इसी प्रकार नाचनी में कलश यात्रा के साथ दस दिवसीय तल्ला जोहार महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। विधायक हरीश धामी और क्षेत्र प्रमुख्या कविता धामी ने इसका शुभारम्भ किया। इससे पूर्व शिव मन्दिर से कलश यात्रा निकाली गई। पं. त्रिभुवन जोशी ने विधि विधान के गणेश पूजन सम्पन्न कराया। आयोजक तल्ला जोहार सांस्कृतिक एवं खेलकूद समिति के अध्यक्ष लाल सिंह कोश्यारी, जिला पंचायत सदस्य दीपू चुफाल, ललित बथ्याल, गोपाल पवार, नारायण पाठक सहित तमाम लोग आयोजन में जुटे थे। स्थानीय स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के अलावा आमंत्रित कलाकारों ने मंच पर अपनी प्रस्तुतिदी। खेलकूद प्रतियोगिताओं में आसपास के सभी ग्राम जुटे।

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379
APNA GHAR 6396098804
चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया
YOGA MEDITATION HOMELY FOOD LIVE MUSIC BIRTHDAY WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 मो.- 8958525979, 9411134775

रमेश लाल वर्मा (गुड्डू)
माँ काली ज्वैलर्स
दन्या(अल्मोड़ा)

रमेश सिंह जंगपांगी
उत्तरांचल विहार
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

ललित नैनवाल
पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत कर्णप्रयाग
(चमोली)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)